

न्यायालय, श्रीमती बबली कुमारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)



आदेश पत्रक

वाद सं०- 122 / 2018

धारा-107 द०प्र०सं०

सैफाली देवी

बनाम फुन्ची मंडल वगैरह

आदेश की क्रम सं० एवं तारीख	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्यवाही एवं रिपोर्ट की तारीख
	<p>अभिलेख सं०-एम. 122/2018 में द०प्र०सं० की धारा-107 के तहत थाना प्रभारी <u>सैनादानु</u> के अप्रथमिकी सं०- 28/18 दिनांक-09-09-18 के द्वारा प्राप्त पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि <u>सैनादानु</u> थाना काण्ड सं० 39/18 दिनांक 13-08-18 धारा-341/323/354 भा०द०वि० का लैकर उभय पक्ष में विवाद है।</p> <p>जिससे संग्रामना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं बबली कुमारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू (राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करे कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रु० का बंध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि 12/10/18 को उपस्थापित करें।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित।</p> <p> कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू (राँची)।</p> <p> कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू (राँची)।</p>	

आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर की गई कार्रवाई एवं टिप्पणी
तारीख सहित

लिया गया तथा गवारी से मुक्त किया
गया। प्रथम पत्र गवारी हेतु दिनांक
07-06-19 को रखा।


12/05/19

07-06-19

अभिलेख अप्रत्यापित। प्रथम पत्र
अधिवक्ता दायरी दिनांक पत्र क्रमांक
01 अप्रत्यापित अन्य अधिवक्ता दायरी
मुक्त वाद में 6 (छः) माह की अवधि
रही थी-युकी है अर्थात् वाद कालबाधित
हो गया है। अतः वाद में अभिलेख
की कार्रवाई बन्द की जाती है।


12/05/19